

सारी रात आहें भरता, पल-पल यादों में मरता माने ना मेरी मन मेरा

थोड़े-थोड़े होश, मदहोशी सी है, नींद बेहोशी सी है

जाने कुछ भी ना मन मेरा

कभी मेरा था, पर अब बेगाना है ये

दीवाना, दीवाना समझे ना, हो

कभी चुप-चुप रहे, कभी गाया ये करे

बिन पूछे तेरी तारीफें सुनाया ये करे

है कोई हकीकत तू या कोई फ़साना है

कुछ जाने अगर तो इतना के ये तेरा दीवाना है

रे मन मेरा, माने ना मन मेरा

रग-रग वो समाया मेरे, दिल पर वो छाया मेरे

मुझमें वो ऐसे जैसे जाँ

गिरे बरसात में पानी जैसे, कोई कहानी जैसे

दिल से हो दिल तक जो बयाँ

आशिक़ दिल तेरा पुराना है ये

दीवाना-दीवाना समझे ना, हो

कभी चुप-चुप रहे, कभी गाया ये करे

बिन पूछे तेरी तारीफें सुनाया ये करे

है कोई हकीकत तू या कोई फ़साना है

कुछ जाने अगर तो इतना कि ये तेरा दीवाना है

रे मन मेरा, माने ना मन मेरा

तुझको जो देखे, ये मुझको लेके

बस तेरे पीछे-पीछे भागे

तेरा जुनूँ है, तू ही सुकूँ है

तुझसे ही बाँधे दिल के धागे

कभी चुप-चुप रहे, कभी गाया ये करे

बिन पूछे तेरी तारीफें सुनाया ये करे

है कोई हकीकत तू या कोई फ़साना है

कुछ जाने अगर तो इतना कि ये तेरा दीवाना है

रे मन मेरा, माने ना मन मेरा